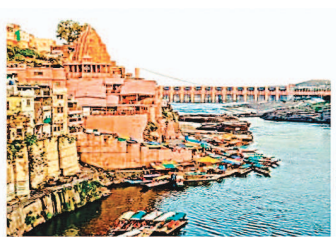

छात्रावास में सख्ती, मलाईदार विभागों में चुप्पी क्यों?

क्या तीन साल से जमे अफसरों पर भी चलेगा प्रशासन का डंडा?

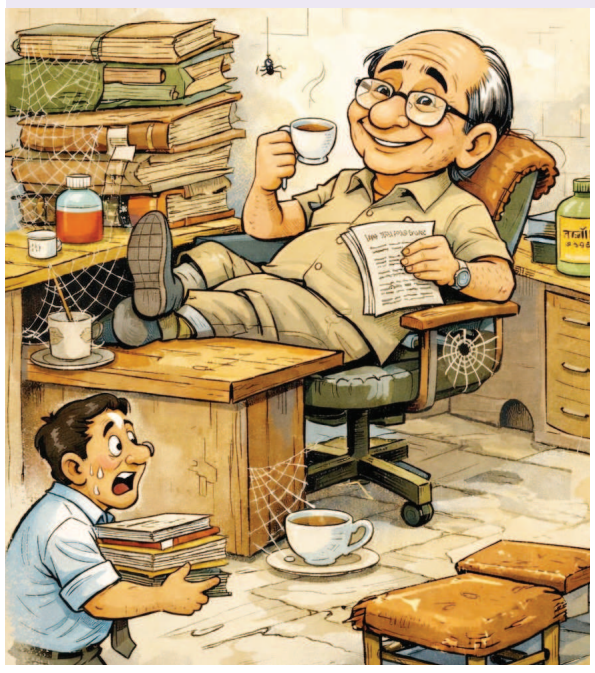

नवभारत न्यूज
अमित राठौर

खंडवा। आदिवासी बालिका छात्रावास में छात्राओं को खराब खाना परोसने और अधीक्षिका द्वारा दुर्व्यवहार की शिकायत ने जिला प्रशासन को सकते में ला दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने न केवल तत्काल जांच दल गठित किया, बल्कि एक सख्त और बड़ा फरमान भी सुना दिया। जिले के सभी छात्रावासों में तीन साल से अधिक समय से जमे कर्मचारियों का तत्काल फेरबदल किया जाए।

कलेक्टर गुप्ता का यह आदेश सराहनीय है। लेकिन, इसी आदेश ने जिले की प्रशासनिक व्यवस्था पर एक तीखा सवाल खड़ा कर दिया है। तीन साल से अधिक एक ही स्थान पर न रहने% का यह नियम क्या सिर्फ छात्रावासों या छोटे कर्मचारियों के लिए बना है? आखिर आदिमजाति, खाद्य, स्वास्थ विभाग, मंडी और अन्य मलाईदार दफ्तरों में जो अधिकारी-कर्मचारी वर्षों से 'अंगद के पैर' की तरह जमे हैं, उन पर यह नियम लागू क्यों नहीं होता?

इन हाई-प्रोफाइल विभागों में क्यों सड़ रही है व्यवस्था?

यदि प्रशासन वास्तव में पारदर्शिता चाहता है, तो उसे छात्रावास से बाहर निकलकर इन प्रमुख विभागों की फाइलों पर जमी धूल भी झाड़नी होगी।

खाद्य विभाग राशन वितरण से जुड़ा यह विभाग आर्थिक अनियमितताओं के लिए हमेशा सुर्खियों में रहता है। यहाँ पदस्थ कुछ कर्मचारी वर्षों से एक ही जगह जमे हैं। राशन माफियाओं और डिपो होल्डरों से इनके 'पुराने रिश्ते' गरीबों के हक पर डाका डालते रहे हैं, लेकिन इनका ट्रांसफर नहीं होता।

कलेक्ट्रेट, एसडीएम और तहसील कार्यालय = यह जिले का 'पावर सेंटर' है। यहाँ आवक-जावक शाखा से लेकर भू-अभिलेख और नजारत तक, कई बाबू दशकों से कुर्सियों पर फेविकोल लगाकर बैठे हैं। नामांतरण, डायवर्शन और सीमांकन की फाइलें इनकी मुट्ठी में कैद रहती हैं। आम जनता चप्पल घिस देती है, लेकिन 'सुविधा शुल्क' के बिना फाइल आगे नहीं बढ़ती।

जिला और जनपद पंचायत

ग्रामीण विकास की धुरी माने जाने वाले इन दफ्तरों में निर्माण कार्यों का हिसाब रखने वाले कर्मचारी वर्षों से नहीं बदले। सरपंच और सचिव बदलते हैं, लेकिन जनपद पंचायत के कुछ %बाबू% वही रहते हैं, जिससे भ्रष्टाचार का एक पक्का 'नेक्सस' बन चुका है।

महिला एवं बाल विकास

कुपोषण दूर करने और आंगनवाड़ियों के संचालन की जिम्मेदारी वाले इस विभाग में भी मैदानी अमले से लेकर ऑफिस स्टाफ तक वर्षों से एक ही सीट पर हैं। पोषण आहार और सामग्री खरीदी में गड़बड़ी की शिकायतें आती हैं, पर चेहरा वही पुराने मिलते हैं।

जिला अस्पताल और स्वास्थ्य विभाग

सिविल सर्जन कार्यालय हो या दवा स्टोर, यहाँ कुछ कर्मचारी 7-8 साल से जमे हैं। अस्पताल की व्यवस्थाओं में इनका एकाधिकार हो चुका है।

राजनैतिक संरक्षण= सूत्रों के अनुसार, इन मलाईदार विभागों में जमे कर्मचारियों के सिर पर स्थानीय नेताओं का हाथ है, जिसके कारण ट्रांसफर लिस्ट से इनका नाम हर बार गायब हो जाता है या करवा लिया जाता है।

अब खंडवा की जनता की निगाहें कलेक्टर ऋषभ गुप्ता पर टिकी हैं। क्या उनका यह आदेश केवल एक छात्रावास की चारदीवारी तक सीमित रहेगा? या फिर वे साहस दिखाते हुए खाद्य, राजस्व, पंचायत, स्वास्थ्य, मंडी, पीडब्ल्यूडी, आरईएस में %सर्जरी% करेंगे जहाँ लापरवाही की जड़ें, वर्षों से जमे अधिकारियों के कारण गहरी हो चुकी हैं?यदि छात्रावास अधीक्षिका को हटाना सही है, तो अन्य शासकीय विभागों में बैठे पुराने %खिलाड़ियों% को हटाना उससे भी ज्यादा जरूरी है। प्रशासन को चाहिए कि वह सभी विभागों की समीक्षा करे और 3 साल से अधिक समय वाले सभी कर्मचारियों की सूची सार्वजनिक कर एक साथ फेरबदल करे।

सुरक्षित ड्राइविंग की दिशा में खंडवा पुलिस की पहल

पुराने बस स्टैंड पर 110 चालकों की हुई आंखों की जांच

नवभारत न्यूज

खंडवा। पुलिस अधीक्षक खंडवा श्री मनोज कुमार राय के निर्देशानुसार जिले में 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक संचालित यातायात जागरूकता अभियान के अंतर्गत दिनांक 14 जनवरी 2026 को यातायात पुलिस द्वारा पुराने बस स्टैंड, खंडवा पर बस चालकों, ऑटो चालकों एवं ई-रिक्शा चालकों के लिए नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षा को सुदृढ़ करना रहा।शिविर में उप पुलिस अधीक्षक यातायात श्री अनिल कुमार राय, थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक देवेंद्र सिंह परिहार, सउनि विश्वास वानखेड़े, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. आनंद कुमार ओंकार, सहायक प्रहलाद तिरोले एवं चिकित्सा दल उपस्थित रहा। इस दौरान स्कूल बस, ऑटो, ई-रिक्शा एवं सार्वजनिक परिवहन बसों के लगभग 110 चालकों की आंखों की जांच की गई। जांच में 18 चालकों में मामूली दृष्टि दोष पाए गए, जिन्हें चश्मा लगवाने की सलाह दी गई, जबकि मोतियाबिंद से पीड़ित एक चालक को नि:शुल्क इलाज हेतु जिला अस्पताल भेजा गया।

एक नजर में

रोटावेटर चोरी का आरोपी गिरफ्तार ट्रैक्टर सहित 4.87 लाख रुपए बरामद

खंडवा। रामनगर पुलिस ने रोटावेटर चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर ट्रेक्टर एवं रोटावेटर सहित 4.87 लाख रूपये का मशरुका बरामद किया है। पुलिस पूछताछ ने आरोपी द्वारा मोटर सायकिल की किस्त चुकाने के लिए चोरी किया जाना सामने आया है। फरियादी गोपालसिंह पिता विश्वनाथसिंह मौर्य, जसवाड़ी ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि राजपूत ढाबा के सामने कच्चे रास्ते पर स्थित उसके खेत में बने कच्चे मकान के सामने रखा खेती का रोटावेटर, 30 दिसंबर की रात्रि में अज्ञात बदमाश द्वारा चोरी कर लिया गया। रिपोर्ट पर थाना पुलिस अधीक्षक खंडवा मनोज कुमार राय के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राजेश रंघुवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) महेन्द्र तारणेकर एवं नगर पुलिस अधीक्षक अभिनव कुमार बांरगे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक प्रवीण आर्य के नेतृत्व में टीम गठित की गई। चौकी प्रभारी रामनगर सउनि नन्दराम वासुरे द्वारा मुखबिर सूचना, तकनीकी साक्ष्य एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी अनिल पिता लाडका, जाति बारेला, निवासी आमडी थाना चैनपुर झिरन्या जिला खरगोन को गिरफ्तार किया गया। बुधवार को उसे न्यायालय खंडवा में पेश किया गया।

होमगार्ड व एसडीईआरएफ के जवानों की सूझबूझ से बची युवक की जान

खण्डवा. मकर संक्रांति पर्व पर श्री ओंकारेश्वर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने नर्मदा नदी में स्नान कर पुण्यलाभ लिया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए नदी के घाटों पर होमगार्ड तथा एस.डी.ई.आर.एफ. के जवान मोटर बोट एवं अन्य आपदा प्रबंधन सामग्री के साथ तैनात रहे। इसी बीच गुजरात के सूरत से ओंकारेश्वर आये युवक अतुल पिता राजकुमार उम्र 18 वर्ष नर्मदा स्नान के दौरान ब्रम्हपुरी घाट पर बढ़ते जलस्तर में बहाव के साथ बहने लगे। मौके पर तैनात एस.डी.ई.आर.एफ. के सैनिक सेवक परिहार ने युवक को डूबता देख पानी में उतरकर बहते हुए युवक को हाथ पकड़कर डूबने से बचा लिया। होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट श्री आशीष कुमार कुशवाहा ने बताया कि जवान की सूझबूझ से आज एक अप्रिय घटना होने से बची। घटना के बाद युवक अतुल व उसके परिवारजनों ने होमगार्ड तथा एस.डी.ई.आर.एफ. टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

एंजेल्स प्लेनेट स्कूल में मकर संक्रांति का रंगारंग उत्सव

खण्डवा. दिनांक 14 जनवरी 2026 दिन को एंजेल्स प्लेनेट स्कूल के प्रांगण में मकर संक्रांति का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, परंपरागत गरिमा और सामूहिक सहभागिता के साथ मनाया गया। यह आयोजन विद्यालय परिवार के लिए एक यादगार क्षण बन गया, जिसमें शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति और आनंद का सुंदर समन्वय देखने को मिला। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य डोना ईम्स, स्कूल डायरेक्टर रितेश गोयल, स्नेहा गोयल, प्रमोद पुरी एवं दर्पण सकलेचा, एकेडमिक एडमिनिस्ट्रेटर विजय जैन, एकेडमिक कोऑर्डिनेटर शेफाली गंगराड़े, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य स्टाफ सदस्य गरिमामयी उपस्थिति में रहे।

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ-साथ विद्यालय प्रबंधन, डायरेक्टर्स एवं प्राचार्य ने भी बच्चों के संग पतंगबाजी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दृश्य ने विद्यार्थियों में अपार आनंद भर दिया और गुरु-शिष्य के बीच आत्मीयता एवं अपनत्व का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। रंग-बिरंगी पतंगों से पूरा विद्यालय प्रांगण मानो खुशियों के रंगों में रंग गया। कार्यक्रम को और भी आकर्षक बनाते हुए कक्षा आठवीं की छात्राएं सौम्या गौर, पलक वर्मा, जयति तिवारी एवं स्वस्ति ठाकरे, तेजस्वी बोरसे,परिणीति ने अपने मनमोहक एवं ऊर्जावान नृत्य की प्रस्तुति दी।

कुपोषण पर जीत : तेरह माह का शरद हुआ स्वस्थ

नवभारत न्यूज

खंडवा। जिले के खालवा विकासखंड के ग्राम ढाकना में कुपोषण के खिलाफ जंग की एक सुखद तस्वीर सामने आई है। यहाँ 13 माह का शरद, जो कभी कम वजन से जूझ रहा था, अब पोषण पुनर्वास केंद्र (NRC) की बदौलत पूरी तरह स्वस्थ है।

शरद के माता-पिता, माना और ममता, बच्चे के गिरते स्वास्थ्य को लेकर चिंतित थे। आशा कार्यकर्ता सावित्री पाटिल की सलाह पर उन्होंने शरद को खालवा अस्पताल में भर्ती कराया। यहाँ डॉ. दीपक करोड़ा और प्रशिक्षक कल्पना मुकाती की देखरेख में उसे 14 दिनों तक प्रोटोकॉल के तहत विशेष पोषण आहार और उपचार मिला।

परिणामस्वरूप, शरद का वजन 6.510 किलोग्राम से बढ़कर 7.315 किलोग्राम हो गया। स्वस्थ होकर घर लौटते समय शरद की माँ को न केवल घर पर पौष्टिक आहार बनाने की समझाइश दी गई, बल्कि शासन के नियमानुसार 14 दिन की मजदूरी राशि भी प्रदान की गई। नि:शुल्क इलाज और बच्चे को तंदरुस्त देख परिवार ने स्वास्थ्य विभाग का आभार जताया है।

सिहाड़ा में सौहार्द की पहल, विवाद नहीं संवाद

हिंदू-मुस्लिम समाज की संयुक्त बैठक, धारा 163 लागू कर दिया शांति का संदेश

नवभारत न्यूज

खंडवा। जिले के संवेदनशील ग्राम सिहाड़ा में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रशासन और पुलिस ने बुधवार को सराहनीय पहल की है। %विवाद नहीं, संवाद% की नीति पर चलते हुए पुलिस कंट्रोल रूम में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्राम सिहाड़ा के हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के गणमान्य नागरिक एक साथ शामिल हुए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कानून का पालन और आपसी भाईचारा ही गांव की तरक्की का रास्ता है।

धारा 163 लागू, विवादित भूमि पर आयोजन प्रतिबंधित

बैठक में जानकारी दी गई कि जिला दंडाधिकारी ऋषव गुप्ता ने ग्राम सिहाड़ा में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू की है। एसडीएम बजरंग बहादुर ने उपस्थित नागरिकों को बताया कि पीर बाबा दरगाह के पास स्थित भूमि का प्रकरण कोर्ट में

विचाराधीन है। कोर्ट के निर्णय का सम्मान करते हुए और गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए, प्रशासन ने उक्त विवादित भूमि पर किसी भी प्रकार के धार्मिक, सामाजिक या निजी आयोजनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। अब ग्राम सिहाड़ा की सीमा में अन्य किसी भी आयोजन से पूर्व सक्षम अधिकारी की अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

सीसीटीवी की निगरानी और सोशल मीडिया पर सख्त पहरा

नगर पुलिस अधीक्षक अभिनव कुमार बारंगे ने बैठक में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़ा संदेश दिया। उन्होंने बताया कि प्रशासन ने विवादित स्थल पर %सीसीटीवी कैमरे लगवा दिए हैं। यदि कोई प्रतिबंधों का उल्लंघन करता है, तो उस पर सख्त वैधानिक कार्यवाही होगी। इसके साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी पुलिस की पैनी नजर है। सीएसपी ने निर्देशित किया की है कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट या अफवाह फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

आह नहीं, वाह में जिएं : ललित प्रभ सागर जी महाराज

नवभारत न्यूज

खंडवा। जीवन में आहज्आह कर दुखी होने के बजाय वाहज्वाह कर आनंद लेना चाहिए—यह संदेश राष्ट्रीय संत महोपाध्याय श्री ललित प्रभ सागर जी महाराज ने पुरानी अनाज मंडी, रामकृष्ण गंज में आयोजित जीने की कला पर तीन दिवसीय विराट प्रवचन माला के शुभारंभ अवसर पर दिया।

उन्होंने कहा कि मनुष्य जब संसार में आता है तो तीन पन्नों की डायरी साथ लाता है—पहला जन्म, अंतिम मृत्यु और बीच का खाली पन्ना जीवन। इस खाली पन्ने में क्या भरना है, यह स्वयं हमें तय

करना होता है और यही हमारे जीवन की दिशा तय करता है।महाराज श्री ने कहा कि जो आपने चाहा और मिल गया, वह सफलता है, लेकिन जो आपको मिला है उसे प्रेम से स्वीकार कर लेना ही सच्ची शांति है। जो नहीं है उसका रोना छोड़कर जो है उसका आनंद लेना सीख लिया जाए तो जीवन स्वर्ग बन सकता है। हर परिस्थिति में प्रसन्न रहना ही जीवन का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि जीवन परमपिता परमेश्वर का अमूल्य वरदान है, इसे विषाद में बदलना हमारी भूल है। भोजन, परिश्रम करने वाले किसान और परिवार के सदस्यों के प्रति कृतज्ञ रहना भी जीवन का अहम संस्कार है।इससे पूर्व डॉ. मुनि श्री शांति प्रिय सागर जी महाराज ने नवकार, गायत्री एवं शांति महामंत्र का सामूहिक संगान कराया और खंडवा आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की।

पूर्व सैनिक राष्ट्र की शान हैं विधायक कंचन तनवे

नवभारत न्यूज

खंडवा। सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस के पावन अवसर पर 14 जनवरी 2026 को खंडवा विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तनवे के निज निवास पर गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निवास पर पधारे लगभग 40 सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों का आत्मीय स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य देश की रक्षा में अपना जीवन समर्पित करने वाले पूर्व सैनिकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करना रहा।विधायक कंचन तनवे ने उपस्थित पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि उनका साहस, अनुशासन और बलिदान ही देश की सुरक्षा की मजबूत नींव है।

श्रीगणेश गौशाला में श्रद्धा से मना मकर संक्रांति पर्व

गौपूजन, गौग्रास और 'तुलादान की मान' सेवा का हुआ शुभारंभ

खनवभारत न्यूज

खंडवा। सूर्य के उत्तरायण होने का पर्व मकर संक्रांति श्रीगणेश गौशाला में बड़ी संख्या में उपस्थित जन ने हर्षोल्लास के साथ मनाया । गौशाला अध्यक्ष राकेश बंसल एवं सचिव रामचंद्र मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि स्नान, दान और गौग्रास के साथ मनाए जाने वाले मकर संक्रांति पर्व से गणेश गौशाला में "तुलादान की मान" की सेवा का शुभारंभ किया गया है, जिसमें कोई भी गौभक्त अपना या अपने परिजन का तुलादान उनके वजन के बराबर भार की किसी भी पवित्र गौग्रास सामग्री से कर सकेंगे । इस हेतु

सामग्री गौशाला से भी प्राप्त हो सकेगी। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी गौशाला में आयोजित कार्यक्रम का आरंभ गौपूजन, गौग्रास के साथ गौमाता की आरती से हुआ । स्वागत उद्बोधन सचिव रामचंद्र रामचंद्र मौर्य ने देते हुए गौशाला से संबंधित जानकारी दी इसके पश्चात महापौर अमृता यादव, विधायक कंचन तनवे, पुलिस अधीक्षक मनोज राय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेन्द्र तारणेकर के द्वारा उपस्थितजनो को शुभकामनाएं दी गई ।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित मातृशक्ति का हल्दी कुमकुम का कार्यक्रम में उपस्थित समस्त महिलाओं को गौशाला की ओर से सुहाग सामग्री प्रदान की गई साथ ही सात धान की खिचड़ी, साबूदाना खिचड़ी एवं फरियाली हलवे का अल्पाहार एवं प्रसादी वितरित की गई ।

समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित महापौर अमृता अमर यादव, विधायक कंचन मुकेश तंनवे, पुलिस अधीक्षक मनोज राय, पुलिस उप अधीक्षक महेंद्र तारनेकर ने मकर संक्रांति पर्व के महत्व को बताकर सभी से अनुरोध किया कि यह पर्व हमारे धर्म और संस्कृति से जुड़े रहने का त्यौहार है,हम सभी मिलकर धर्म संस्कृति और गौ गौ माता के रक्षा और सुरक्षा में अपना योगदान सदैव देते रहे।